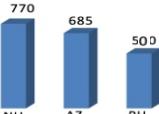


पृष्ठ 3
भारती
की
चुस्की:



पृष्ठ 5
GC
Update



पृष्ठ 6

चुनाव.. एक नजर



पृष्ठ 7,8 & 9
यादें



भ्रष्टाचार के विरोध में भारत : अरविन्द केजरीवाल



क्या आप जानते हैं की भ्रष्टाचार से प्रत्येक भारतीय नागरिक का आई रातना रु.

6 0 0 0 0 का नुकसान हुआ है ? हाँ , यह आपका ही रूपया है।

क्या आप इस नुकसान के लिए कुछ करना नहीं चाहेंगे ? किरण बेटी , अरविन्द केजरीवाल, प्रशांत भूषण, संतोष हेंगड़े एवं श्री श्री रविशंकर जैसी

महान् व्यक्तियों ने साथ में आकर India Against Corruption की स्थापना की है।

5,70,000 लोगों ने पहले ही इस मुहिम के लिए अपना समर्थन जता दिया है।

महान् समाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे 5 अप्रैल से India Against Corruption द्वारा बनाए गये भ्रष्टाचार निवारक कानून को लागू करने की माँग को

लेकर आमरण अंशन आरम्भ किया जो 'जन लोकपाल विधेयक' के नाम से प्रस्तावित है। उन्होंने देश की जनता से अपील की थी कि वे भी स्वसमर्थ्य के

अनुसार इस आंदोलन के भागीदार बनें। इसके उत्तर में सारा भारत उनके साथ खड़ा हो गया।

इस मुहिम का प्रभाव अन्य प्रवासी देशवासियों पर भी पड़ा है। IIT बाबे, IIT रुड़की, ISM धनबाद, IIT दिल्ली, NPL और भी कई

अन्य राष्ट्रीय संस्थानों में बड़े पैमाने पर जुलूस निकाले गये जिसको मीडिया का

खूब समर्थन प्राप्त हुआ। IIT खड़गपुर में भी अन्ना हजारे के समर्थन में कई छात्रों

ने अंशन आरम्भ किया जो 2 दिनों तक चला जिसको छात्रों व शिक्षकों का पूरा

नैतिक समर्थन मिला। किन्तु यह देखते हुए कि छात्रों को शारीरिक हानि न हो , उन्हें अनशन बंद की सलाह दी गयी जो कि सभी ने तुरंत स्वीकार कर ली।

इस जनांदोलन में जनता की विजय हुई है। सरकार ने अन्ना हजारे की साची माँगों को मान लिया और उन्होंने अनशन तोड़ दिया है। सरकार ने आशासन दिया है कि जन लोकपाल विधेयक 30 जून को संसद में पेश किया जायेगा। भ्रष्टाचार के विरुद्ध इस लड़ाई को तब तक जारी रखने की ज़रूरत है जब तक भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ के इस पावन धरती से फेंक न दिया जाए।

इस संदर्भ में सरकार की रजामंदी से पहले हमने बिल के निर्माता श्री अरविंद केजरीवाल जो कि आईआईटी खड़गपुर के विशिष्ट एन्युमनाई भी हैं उनसे बात की। उनके साथ हुए वार्तालाप का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत है :

आवाज़ : आज की भारतीय सरकारी व्यवस्था में भ्रष्टाचार को देखते हुए आपको क्या लगता है कि जन लोकपाल विधेयक पूरी तरह से लागू हो पाएगा ?

अरविंद : देखिए भ्रष्टाचार के खिलाफ भारतीय जनता सर्टक हो रही है। उनका गुस्सा फूट रहा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध भारत में उम्मीद और ज्यादा जनता आगे बढ़ के आई है और अनशन पर भी बैठी है। इसलिए हम सफलता के प्रति आश्वस्त हैं।

आवाज़ : इस आंदोलन में जनता से आपकी क्या उम्मीद है? क्या आपको लगता है कि लोगों के आमरण अनशन

पर बैठने से बिल पास होने की संभावना बढ़ेगी ?

अरविंद : जनता को धीरे धीरे विश्वास हो रहा है कि यह आंदोलन सफल होगा और इसलिए जनता हमसे जुड़ भी रही है। अन्ना हजारे एक बहुत बड़ी शक्तिशाली है। अगर एक सामान्य आदमी अनशन पर बैठता है तो ज़रूर फर्क पड़े पर जब वही आदमी अन्ना जी के साथ अनशन पर बैठता है तो ज़रूर फर्क पड़ेगा।

आवाज़ : आज भी आईआईटी के छात्र IAS और IPS जैसी नौकरशाही सेवाओं में जाना चाहते हैं। आपका इस पर क्या विचार है ?

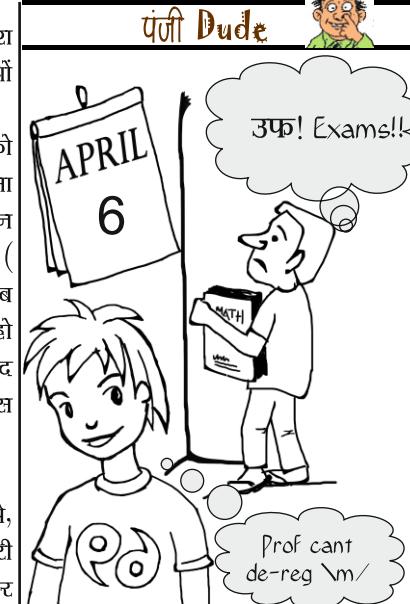
अरविंद : देश में भ्रष्टाचार का 80 % कारण नौकरशाही है। मेरे अनुसार देश में नौकरशाही जैसी कोई चीज रहनी ही नहीं चाहिए।

आवाज़ : तो आपको क्या लगता है देश की नीतियाँ बनाने में आईआईटी के छात्रों को नहीं शामिल होना चाहिए ?

अरविंद : देश की नीतियाँ जनता को बनानी चाहिए। हमारे देश में ग्राम सभा और सोमांदला सभा का प्राविधान है। इन सभाओं को ही नीतियाँ बनानी चाहिए (जब तक जड़ से शाषण नहीं होगा) तब तक भारत भ्रष्टाचारमुक्त नहीं हो पाएगा। इन लोकपाल विधेयक के बाद हम इस विधेयक को लाने का प्रयास करेंगे जिसमें जनता का सीधा हाथ हो।

आवाज़ : आप खुद राजस्व सेवा में थे, उस दौरान आपने भारतीय सरकारी व्यवस्था के बारे में क्या समझा और

Punjji Dude



चुनाव अपडेट

हाल ही में हुए चुनाव के नतीजे इस बार काफी हृद तक अविवादित रहे हैं। कुछ छोटे गोटे तनाव के अतिरिक्त चुनाव का निर्वाह शांतिपूर्वक हो गया। इस बार गणित विभाग के प्रो. सोमेश कुमार को चुनाव ऑफिसर का पद सीर्पा गया था। जहाँ पिछले साल वी.पी. पद के लिए तीन प्रतियोगी खड़े थे, इस बार दो ही प्रतियोगी थे। जनरल सेक्रेटरी (एपीएस) पद के लिए एक LLB छात्र और दो UG छात्रों ने चुनाव में हिस्सा लिया। प्रारंभ में इस पद के लिए चार प्रतियोगी थे, लेकिन नॉमिनेशन पेपर में कुछ कमी कि वजह से तीन ही प्रतियोगियों के नॉमिनेशन पर्के किए गए। नॉमिनेशन फाइनिंग के लिए 17 मार्च से 19 मार्च तक का समय था। सोपबॉक्स 21 और 22 अप्रैल को बारकेटबॉल कोर्ट में आयोजित किए गए थे, जिन्हें देखने मात्रा में जनता उपस्थित थी। सोपबॉक्स के दौरान कई बार प्रेसिडेंट मनिश भट्टाचार्जी और अन्य जिमखाना पदाधिकारियों ने पैनेल सदस्यों के आक्रामक प्रवृत्ति पर ऐतराज जताया। केवल 10 मर्टों के अंतर के वजह से वी.पी. की दौड़ काफी रोमांचक रही। कुल 23 चुने गए सेक्रेटरी में से 9 UG और 14 PG छात्र शामिल हैं। 23 में से 10 सेक्रेटरी मिलिए हैं।

प्रतीक अग्रवाल

वाइस प्रेसिडेंट (V.P.) टेक्नोलॉजी स्ट्रॉन्डेन्स जिमखाना

हॉटेल ६ पटेला हाल

विभाग : इंडस्ट्रीयल इंजीनीयरिंग एवं मैनेजमेंट (IEM)

प्रस्ताव :

- 'Grievance Cell' का निर्माण व इसके माध्यम से आईआईटी खड़गपुर के छात्रों की शिकायतों और प्रेषणियों का निवारण।
- उत्तीर्ण हो रहे छात्रों के लिए 'No due Certificate' अर्जित करने की प्रक्रिया का सरलीकरण।
- 'छात्र अनुसंधान कोष' का निर्माण जिसका प्रयोग ग्रीष्म काल में संतरा के प्रोफेसर वर्ग के अन्तर्गत शोध कर रहे
- 'Training & Placement' सेल के लिए विशिष्ट टौर पर ऐसी वेबसाइट का निर्माण जिससे छात्रों के साथ - साथ यहाँ प्लॉसमेंट के लिए आने वाली कंपनियों को होने वाली असुविधा का निराकारण किया जा सके। इस वेबसाइट के माध्यम से छात्र या कोई भी कंपनी अपने आप को पंजीकृत कर जल्दी सूचना अपलोड कर सकेंगे।
- ऐसी व्यवस्था का सूजन जिसके अन्तर्गत संतरा के प्रत्येक विद्यार्थी को प्रति सप्ताह एक मेल भेजा जाए जिसमें बीते व आने वाले सप्ताह में सुनिश्चित कार्यक्रमों की सूचना होगी।



फार्मर्स एवं फार्मर्स : एक नवीन पहला

डिग्री लेकर संस्थान से निकलने के बाद हमारे संस्थान के कई पासाआउटस ने सामाजिक क्षेत्र में अपना योगदान देकर हमारा गौरव बढ़ाया है। इसी कड़ी में हैं मनीष कुमार जी जो पिछले साल ही संस्थान से निकले और देश में कृषि एवं कृषकों के कल्याण के लिए एक NGO “फार्मर्स एवं फार्मर्स” की स्थापना की। हमारे जैसे कृषि प्रधान देश में IITian द्वारा शुरू किए गए इस पुनीत कार्य के बारे में हमने मनीष कुमार जी से विचार से बात की।

आवाज़ : “Farms n Farmers Foundation”(FnF) के पीछे का मुख्य उद्देश्य तथा इसके इतिहास पर प्रकाश डालिए।

मनीष : मैं पिछले दस वर्षों से ज्यादा समय से सामाजिक संगठनों (सेवा भारती, वनवासी कल्याण केन्द्र आदि) से जुड़ा हुआ हूँ। इन संगठनों के साथ काम करने के क्रम में भारत का ऐसा स्वरूप (ज्ञारखंड के वनवासी इताके) देखने को मिला जहाँ आज आजादी के 65 वर्षों के बाद भी लोग सिर्फ चावल नमक खाकर जीवन व्यतीत कर रहे हैं। दान देखते ही उनकी आर्थिकी की चमक को देखकर कोई भी सामान्य आदमी अपने आँसू नहीं रोक सकता। मैंने तभी से निर्णय ले लिया था कि अपने देश और समाज के लिए जितना संभव हो सके, जरूर करूँगा। आई.आई.टी के ब्रांच ने मेरे इस फैसले को और बल प्रदान किया। अक्टूबर 2009 में मेरे एक पुराने मित्र (शाशांक कुमार, 2004-2008 बीटेक, आई.आई.टी दिल्ली) ने कृषि के क्षेत्र में कार्य करने की इच्छा प्रकट की। मुझे लगा कि इससे अच्छा विकल्प फिर नहीं मिलेगा, इसलिए मैंने तुरंत “हाँ” में जवाब दे दिया। तभी से हम दोनों इस योजना पर काम कर रहे हैं।

आज हमारे देश को जिन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, वो हैं

- जानकारी का अभाव :** आज कृषि काफी विकसित हो चुकी है पर केवल प्रयोगशालाओं तक, वैज्ञानिकों के पास इतना समय नहीं है कि वो इन नए अविष्कारों का प्रचार प्रसार कर सकें। इस कारण से किसान उन्हीं पुरानी एवं पारंपरिक तरीकों से कृषि करने को मजबूर है। इसलिए आज ऐसे लोगों की बहुत आवश्यकता है, जो इन नए प्रयोगों को खेतों तक पहुँचा सकें। और इस प्रक्रिया को गति प्रदान करने के लिए देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों से लोगों का सामने आना अत्यंत आवश्यक है।
- बाजार का अभाव :** किसानों को स्थानीय बाजारों पर निर्भर रहना पड़ता है। वो खेती तो बहुत सारे फसलों की करते हैं लेकिन उन्हें उसका अचित मूल्य नहीं मिल पाता, इसलिए वो चाह कर भी नए फसलों की खेती कर नहीं पाते हैं। इन सबका एक ही समाधान है सामूहिक कृषि। FnF सामूहिक कृषि को बढ़ावा देती है और किसानों को समझाती है कि इसका क्या लाभ है। मिल कर कृषि करने से उन्हें कभी बाजार का मुँह नहीं देखना पड़ेगा, इसके विपरीत बाजार खुद चलकर उनके दरवाजे तक आएगा।
- रासायनिक प्रभाव :** रासायनिक खाद की कीमतें बढ़ रही हैं और यह आसानी से उपलब्ध भी नहीं है। इसके प्रयोग से दिनप्रतिदिन मिट्टी की उर्वरा शक्ति कम हो रही है, साथ ही साथ लोगों को बिमारियाँ भी ज्यादा हो रही हैं।

पिछले कुछ दिनों से इन्टरनेट की गति को लेकर छात्र काफी परेशान हैं। काम में आने वाली 8 प्रॉक्सियों में से कुछ हमेशा ही ढीली पड़ी रहती है। इस संदर्भ में हमने कम्प्यूटर एवं इन्फार्मेटिक्स सेन्टर के चीफ सिस्टम मैनेजर, श्री दिलीप कुमार नन्दा से विचारत बात की। प्रस्तुत है उनसे हुए साक्षात्कार का व्यौहा :

आवाज़ : क्या पिछले कुछ दिनों से इन्टरनेट की गति में कमी आई है?

दिलीप नन्दा : जहाँ तक ISP से बैन्ड विड्युत मिलने की बात है तो वो पर्याप्त है। आई आई टी खड़गपुर की इन्टरनेट तथा LAN सुविधा पूरे पूर्वी क्षेत्र में श्रेष्ठ है। जहाँ तक इन्टरनेट में गड़बड़ी की बात है तो हाई वेयर में हुई समस्याओं के कारण प्रॉक्सी 144.16.192.245 कुछ दिनों तक अव्यवस्थित रही थी। इसके अलावा बाकी के 7 प्रॉक्सी समुचित रूप से चल रहे हैं। इन्टरनेट की गति में कमी आने का एक कारण “पॉथ चेन्ज” हो सकता है। उदाहरण के तौर पर अगर किसी एक रूट से 6 Mbps की गति आती है तो पाथ चेन्ज हो जाने से दूसरे रूट से 6 Mbps की भी आ सकती है जिसके कारण शायद ल्पीड कम होने का संदेह होता है।

आवाज़ : डिपार्टमेंट सर्वर प्राक्सी के विषय पर कई बार चर्चा होती है। क्या इस पर प्रकाश डालें।

दिलीप नन्दा : देखिए, “डिपार्टमेंट सर्वर प्रॉक्सी” बनाना अथवा इसका प्रयोग करना अवैध है। कुछ छात्र अपने डिपार्टमेंट के पेज को हैक करके ऐसी प्रॉक्सी बना लेते हैं। यह कार्य करना या इसका प्रयोग

है। FnF किसानों को रसायनमुक्त कृषि के लिए प्रोत्साहित करती है।

आवाज़ : वर्तमान में इस योजना के अंतर्गत कितने गाँवों को संयोजित किया गया है?

मनीष : वर्तमान समय में FnF पांच जिलाओं (वैशाली, मुजफ्फरपुर, बक्सर, भागलपुर, पुर्णिया) में लगभग 20 ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय है। इसके अतिरिक्त भी कई अन्य स्थानों के किसानों ने हमसे संपर्क किया है, लेकिन संसाधन सीमित होने के कारण उन्हें थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा।

आवाज़ : आपके इस पहल के लिए प्रारंभिक चुनौतियाँ क्या रहीं तथा अभी कौन सी बाकी हैं?

मनीष : सबसे बड़ी चुनौती तो सामाजिक सोच है। कभी सबसे उत्तम कार्य कहा जाने वाला कृषि आज हमारे समाज में इस तरह से अपेक्षित है कि तोगे ये बात समझने को तैयार ही नहीं हैं कि कृषि में पढ़े-लिखे लोगों की भी ज़रूरत है।

हमारे लिए आज भी सबसे बड़ी चुनौती यही है कि हम समाज में कृषि को फिर से वही गौरवशाली स्थान दिला सके जिसका वो वात्तविक हकदार है। समाज कृषि को आदर भाव से देखे न कि हीन भाव से।

आवाज़ : आपकी इस पहल में सरकार की क्या भूमिका रही है तथा किस तरह की सहायता की अपेक्षा है?

मनीष : हमारी सोच है कि हम ऐसा काम करें कि सरकार हमसे सहायता माँगे न कि हम सरकार से। हमलोगों ने जुलाई 2010 से कार्य प्रारंभ किया है और अब तक का परिणाम अद्यंत ही उत्साहवर्धक है।

आवाज़ : FnF के विकास के लिए आपकी भविष्य योजनाएँ क्या हैं?

मनीष : हमलोगों ने जुलाई 2010 से सर्वेक्षण आदि का काम शुरू कर दिया था। हमारी पहली फसल “राजमा” अब कटाई के लिए तैयार है, पांच महीने से भी कम समय में हमलोग आने वाले मौसम (मार्च-अप्रैल) में चार नए जिलों में काम करने को तैयार हैं। जहाँ तक भविष्य निधि की बात है मैं सिर्फ इतना कहूँगा “वक्ता आने दे तुझे दिखला देंगे ए आसाम, हम अभी से क्या बताएँ क्या हमारे दिल में हैं”।

आवाज़ : केजीपी में बिताए गए वर्षों ने आपको इस पहल के लिए किस तरह से प्रेरित किया?

मनीष : खड़गपुर के पांच वर्ष मेरे जीवन के सबसे महत्वपूर्ण दिन थे। एक छोटे से गाँव में रहने वाले इंसान के लिए इससे अच्छी बात और क्या हो सकती है कि एक ही जगह पर संपूर्ण भारत दर्शन हो जाए! केजीपी में मैंने हर उस इंसान से दोस्ती करने की कोशिश की जिसके मन में समाज के प्रति पूरी भूल रखा था, अतः ही किसी कारण से कर नहीं पा रहा हूँ। आई.आई.टी के कई प्रॉफेस से मेरी व्यक्तिगत जानपहचान है। आज मेरे वही लोग मुझे हौसला देते हैं और यथासंभव सहायता भी करते हैं।

आवाज़ : खड़गपुर के छात्रों के लिए आपका संदेश।

मनीष : “देश हमें देता है सब कुछ, हम भी तो कुछ देना सीखें!”

LAN चले चीरी की चाल



करना न्यायविलम्ब है। अभी सारी प्रॉक्सियों कम्प्यूटर एवं इन्फार्मेटिक्स सेन्टर के द्वारा नियंत्रित की जाती है।

आवाज़ : आई.आई.टी. खड़गपुर अपने छात्रों को कई सॉफ्टवेयर एवं विज्ञान 7 मुफ्त अध्यवाचियाँ दर्शाएँ पर उपलब्ध कराती हैं।

दिलीप नन्दा : हाँ, छात्रों की सुविधा हेतु संस्थान कई सॉफ्टवेयर तथा विज्ञान 7 उपलब्ध कराता है। इच्छुक छात्र CIC आकर विस्तारपूर्वक जानकारी ले सकते हैं। इनकी पाइयरेसी को रोकने हेतु कई निर्देश जारी किए गए हैं जिसमें छात्रों को किसी सॉफ्टवेयर को प्रयोग करने के पहले उस सॉफ्टवेयर का लाइसेंस कम्प्यूटर इन्फार्मेटिक्स सेन्टर से लेना होगा। इसके अलावा, इनमें से कुछ सॉफ्टवेयर सर्फ खड़गपुर के कैम्पस में ही काम करते हैं।

आवाज़ : पूरे कैम्पस को वाईफाई सक्षम किया जा रहा है। इस क्षेत्र में क्या प्रगति हुई है?

दिलीप नन्दा : इस संदर्भ में संस्थान के सभी विभागों को वाईफाई इनेबल किया जा रहा है। साथ ही साथ पुराने रिचर्च भी बदले जा रहे हैं क्योंकि वो 1999 से काम कर रहे हैं और अब अप्रचलित हो चुके हैं। कैम्पस में बन रहे विभिन्न विभागों को शुरू से ही वाईफाई सक्षम किया जा रहा है। जहाँ तक बैन्ड विड्युत बढ़ाने की बात है तो फिलहाल इसने कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

बिजली कहाँ चली ?

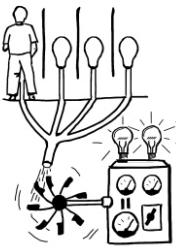
मईया, लोगों को कई प्रकार के टोड होते हैं। किसी को अकैडेस का, किसी को बंदी का, पर मुझे सबसे ज्यादा अगर किसी चीज का लोड है तो वो है जी बिजली जाने का। अपने घर में मुझे गर्मी के दिनों में लाइट जाने की आदत सी हो गई थी। कभी भी उस विषय में कूछ कहते तो मेरे पूज्य पिताजी गंगाराम को याद करते- जो अपना दुखड़ा रोते हुए बताता था कि पिछले 9 साल में हमारे बिजली विभाग में कोई नई नियुक्ति हुई ही नहीं। अब बेचारे बूढ़े गंगाराम जी चम्पावत भी कितना कर सकते हैं।

खैर अपने 50°C वाली घर की गर्मी को छोड़ IIT आया तो मन में बड़ी आशाएँ थीं- पर दिल के सभी अरमान पसीने में बह गए। पिछले साल तक तो हालात ठीक थे- पर अब तो मानो लाइट जाना रोज की बात हो गई थी। ऐसा लग रहा था मानो बिजली इंडिया से हार कर अपने पति ब्रेट-ली के साथ आल्ट्रेलिया लौट गई हो।

अब लाइट जाने के भी अलग अलग 'स्टेजेस' होते हैं। शुरूआत के 10 सेकेंड में लोग चिल्लाते, बिल्लियों की आवाज़ निकालते व 'बचाओ बचाओ' करके ना जाने किससे मदद माँगते हैं। 2-3 मिनट बाद दिल में डर समाने लगता है कि कहीं यह लम्बा वाला पॉवरकट तो नहीं। खैर, किसी तरह आधे घंटे तक तो सबके लैपी की बैटरी चल जाती है तो समय भी कट जाता है- पर जब वह भी बुड़ा होकर खट्टम हो जाए- तो लोग विंग में बाहर आने लगते हैं। फिर अगर दिन या शाम का समय हो- तो किंकेट का मैच शुरू होते देर नहीं लगती और रात में भाट बाजी का दौर शुरू हो जाता है। ऐसे ही एक बार जब रात में बिजली चली गई तब विंग में भाट मारते मारते एकदम से फँड़े बाबा जोश में आकर बोले- "इन बिजली वालों के मर्खाने के कारण आखिर हम क्यों गर्मी में मरें। भाड़ में जाए यह दुनियादारी, हम अपनी बिजली खरयं पैदा करेंगे। ऐसे में फँड़े बाबा ने 2 बिजली उत्पादक यंत्रों का PROTOTYPE दे डाला-

1. पहले मॉडल में उसने एक बहुत बड़े से खोखला इम की कल्पना की जो एक 'DYNAMO' से जुड़ा हो। छोटे स्केल में इनमें चूहों को दौड़ा कर एक-आध बल्ब जलाया जाता है- पर पूरे विंग की लाइट जलाने के लिए तो बहुत से इंसानों को दौड़ाना पड़ेगा। यहाँ की पढ़ाई के बाबजूद आपको यह तो याद ही होगा की ऊर्जा पैदा नहीं हो सकती, सिर्फ अपना रूप बदल सकती है। तो सवाल उठता है कि यह ऊर्जा आखिर आएगी कहाँ से? अब अगर 'हॉल' में किसी भी चीज में मजदूरी वाला काम करना हो तो 2nd years के अलावा कौन कर सकता है।

खैर, भगवान और बिजली विभाग की असीम कृपा से उच्ची समय लाइट आ गई और हमारी विंग सभा भंग हो गई- वरना फँड़े बाबा तो फर्स्ट और सेकंड ईयर्स की 'वॉट' ही लगा देते।



2. दूसरे मॉडल में फँड़े बाबा ने फच्चों की तरफ ध्यान किया। उन्हें बड़ा बुचा लग रहा था कि टॉप फ्लॉर पर रहने वाले फच्चों की ऊपर-नीचे चढ़ने उतरने की 'potential energy' बेकार हो जाती है। इस ऊर्जा के सुधार्योग के लिए उन्होंने एक 'DAM' की तरह टॉप फ्लॉर के सभी टाँहलेट के पाईप को मिलाकर एक धारा बनाने का प्रस्ताव रखा। यह निर्मल पानी की धारा सीधे नीचे आकर एक टरबाईन पर गिरेगी- जिसे धुमा कर हम काफी अच्छी खासी बिजली पैदा कर सकते हैं।

भारकी की चुरुकी:

कोलकाता में कभी "कॉफी हाउस" बड़े बुद्धिजीविओं का अड़ा हुआ करता था। खड़गपुर में वही स्थान भारकी का है। फर्क यह है कि भारकी की कॉफी नहीं चाय प्रसिद्ध है, वही चाय जिसमें दूध से ज्यादा ज्ञान मिला होता है। अगर आप वहाँ हमेशा जाने वालों में से हैं, तो आप समझ सकते हैं कि किस ज्ञान की बात हो रही है। इसी ज्ञान के बल पर लोग सुषुप्त मारते हुए चाय के हानिकारक प्रभावों की व्याख्या कर पाते हैं। यहाँ तक कि लोग आपको मानने पर मजबूर कर देंगे कि गांजा सबसे बेहतर है, उससे तो फेफड़े का कैसर भी नहीं होता।

भारकी पर बैठने वालों की टांबी कतार होती है। इनमें सबसे पहले तो वो बहादुर छात्र हैं, जो रात भर जागकर दिन भर सोते हैं ताकि प्रकृति के नियम को ललकार सकें। ये वो लोग हैं जो सुषुप्त मारते हैं और उससे जो समय इनके जीवन से कम हो जाता है उसकी भरपाई के लिए दो मिनट में बनने वाली मैगी



खाते हैं। दूसरे वो कर्तव्यनिष्ठ सरकारी कर्मचारी हैं जो जनसेवा के लिए जनता के बीच बैठना अपना कर्तव्य समझते हैं। मेरे ख्याल से उनकी हाजिरी के लिए एक रजिस्टर वहाँ भी रख देना चाहिए, जिससे वे अपना पुरा समय जनता के बीच व्यतीत कर सकें। तीसरे वो बुद्धिजीवी दिक्षावाले हैं जिनको किंकेट से विज्ञान तक सबकी समझ होती है और बैठ-बैठे आई आई टी के निष्ठलों छात्रों पर तरस खाते रहते हैं। इनके शास्त्रार्थी में आपको आई आई टी का तमाम इतिहास मिल सकता है। कुल मिला कर कहा जा सकता है कि अगर अपने राजनेता सुधर जायें और उनको थोड़ी तमीज आ जाये, तो संसद भवन में जैसी बार्ताएँ बैसी ही भारकी पर आमतौर पर होती हैं।

अब वैसे तो बहुत कूछ कहा जा सकता है पर फिलहाल इतना कहुँगा कि अगर कभी भी B.C. Roy की दरवाईयों से फूर्त हो जाएँ तो वहाँ से निकलते समय भारकी की चाय जरूर आजमायें। आराम मिलेगा।

COMPUTER, LAPTOP SALES & SERVICE POINT.
TECH MARKET, NEAR BIMALA SWEETS
Mob. 9126129880, 9932481451.
EXTERNAL HARD DISK AT LOWEST PRICE



BLACK & WHITE Print @ ₹ 2.5/- per page.
COLOUR Print @ ₹ 6/- per page.

ALL BOND PAPER AT BEST PRICE

Enjoy the tastes of Indian, Chinese, Tandoor dishes at the food cafe

Break n' Bite

a food élán

For door step delivery:-

Call 9832466646

Tejvinder Singh Dhami (Rinku)
At - Hotel Park Arcade
Near IIT Kharagpur

बात संपादक की

अत्यंत हर्ष के साथ हम इस सेमेस्टर का आखिरी अंक प्रस्तुत कर रहे हैं। हमारे पिछो अंक को पाठकों की काफी सराहना मिली जिसके लिए हम अपने पाठकों के आभारी हैं एवं आपकी उम्मीदों पर सदा खरा उतरने की कोशिश करेंगे।

पिछला महीना किंकट प्रेमियों के लिए एक सुनहरे सपने के सच होने जैसा था। 28 साल बाद टीम इंडिया ने विश्व कप जीत कर एक नया इतिहास रच दिया। यह विश्वकप कई मायनों में भारत के लिए अहम रहा। एक ओर जहाँ जीत का सेहरा हमारे सर बंधा वही एक विश्वस्तरीय प्रतियोगिता का सफल आयोजन कर मैजबान के तौर पर हमने एक नयी मिसाल कायम की। ICC इसे अब तक का सबसे सफल विश्वकप का दर्जा दे चुका है। साथ ही भारत सरकार

ने खेलों के माध्यम से पाकिस्तान के साथ आपसी स्थिते सुधारने की भी कोशिश की। भारत पाकिस्तान मैच के बाद अफसोसी का भाईचारा बढ़ाने सम्बन्धी बयान सुनकर तो ऐसा लगा मानो हमारा पड़ोसी अब हमारे सारे गिले शिकवे भुताना चाहता है, लेकिन अफसोसी ने भारतीयों के दिलों में जो जगह बनायी थी उसे गवाने में तनिक भी समय न लगायी जब विश्व विजय के तुरंत बाद भारतीय मीडिया को लाताइते हुए ये कहा कि भारतीयों का दिल कभी भी उनके भैसा नहीं हो सकता है।

राष्ट्रीय रस्त पर इस समय लोकपाल बिल चर्चा का विषय बना हुआ है। इस संदर्भ में हमने अरविंद केजरीवाल से बात की एवं उनका साक्षात्कार पेश कर रहे हैं, लेकिन दुखर बात ये है कि इन्होंने उचित बिल को लागू करने के लिए सरकार कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। श्री हज़ारे जी को इस बिल के समर्थन में आमरण अनशन का सहाया लेना पड़ रहा है। ऐसे में सवाल ये उठता है कि जब ये सर्वविदित है कि भ्रष्टाचार हमारे देश की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा है तो हमारी सरकार इसे रोकने में



इनसे क्या कहें?

बात नवंबर सन् 2000 की है। मणिपुर के एक गाँव में सैनिकों ने 10 लोगों की बेरहमी से गोली मारकर हत्या कर दी। जबक भाँगने पर बताया गया कि लोग नक्सलियों से आपसी मुठभेड़ में मारे गए। आम जनता ने सारेभाजार साशांत्र सैनिक बल के विशेषाधिकार का तांडव देखा था। गौरतलब है कि इस घटना के चार दिन बाद श्रीमती शर्मा



मानवाधिकारों के इस तरह बेखौफ उल्लंघन से तंग आकर श्रीमती चानू आज 10 वर्षों से आमरण अनशन पर है। पर सरकार के कानों पर अब तक जूँ तक नहीं रोंगी है। 2004 में 'जीवन रेडी कमीशन' ने अपनी रिपोर्ट सरकार

को सौंपी पर उस पर अब तक किसी ठोस कदम के आसार नहीं दिखे हैं। हाँ, शर्मिला चानू को जरूर आत्महत्या के जुम में जेल हो गई।

आज जहाँ भ्रष्टाचार की समाप्ति की नींव एक भूख हड्डाल की तर्ज पर रखी जाती है वही ऐसी लोग भी हैं जिनकी लड़ाई मूक चल रही है। फर्क सिर्फ इतना है कि शर्मिला चानू ने अन्ना हजारे की तरह '65 में सीमा पर लड़ाई नहीं लड़ी। पर जो लड़ाई वो अब लड़ रही है उस पहलू को नजरअंदाज करना असंभव है।

AFSPA के तहत मणिपुर, नागालैंड आदि की सेना शक की बिनाह पर गिरफतारी कर सकती है तथा सरेआम गोली तक चला सकती है।

AFSPA के तहत मणिपुर, नागालैंड आदि की सेना शक की बिनाह पर गिरफतारी कर सकती है तथा सरेआम गोली तक चला सकती है।

एक पहलू ऐसा भी

आज किसी व्यक्ति विशेष को आधार न बनाते हुए तमिलनाडु में पनप रही राजनीतिक विरासत की बात करते हैं। 2006 के विधानसभा चुनाव में डी.एम.के. ने अपने धोषणापत्र में वायदा किया कि वे

प्रत्येक घरेलू महिला को मुफ्त में टी.वी. प्रदान करेंगे। अपने कार्यकाल में तो पार्टी वायदे को अमनी जामा पहना न सकी सो सत्र पूरा होते होते इस काम में काफी देजी बरती जाने लगी। चुनाव कमेटी को जब

राजनीतिक लाभ की तू आयी तो उन्होंने तुरन्त इस पर प्रतिबन्ध लगा दिया पर जनता कहीं अपने मतदाता का संदेश न समझे ऐसा हो सकता है क्या ? इसी होड़ में विष्कृ पाटियों की तरफ



से भी नई-नई घोषणाएँ होने लगी। कोई कक्षा ग्यारह के विद्यार्थियों को मुफ्त में लैपटॉप देना चाहता है तो कोई S.C./S.T. वर्ग को खुश करने के लिए लैपटॉप देना चाहता है। मुफ्त में

मिक्सर-ग्राइन्डर, पंखे, मंगलसूत्र, मिनिरल वाटर, केबल कनेक्शन देने के भी वायदे किए जा रहे हैं। तमिलनाडु सरकार ने भारी भरकम 3500 करोड़ रुपये का निवेश करके 15 लाख टी.वी. सेट खींचे हैं जिनका वितरण नहीं हो पाया तब आप ही बताएँ कि आम जनता यदि रथायी लाभ को न देखते हुए कृतिम सुख साधनों की तलाश में रहेंगी तो जनादेश कैसा होगा ?

GOYAL INFOTECH
PROVIDING EFFICIENT SALES, SERVICE SINCE 11 YEARS IN KHARAGPUR.
PURI GATE, IIT MAIN ROAD. Mob. 9932481451, 9126129880.
EXTERNAL HARD DISK AT LOWEST PRICE WITH OFFERS.



Seagate 500 / 1 TB
FreeAgent® GoFlex™
Portable External Drive



WD 1 TB Portable
3.0 USB Power

PRINT OUT

BLACK & WHITE Print @ ₹ 2.5/- per page.
COLOUR Print @ ₹ 6/- per page.
BOND PAPER AT BEST PRICE

**High Quality Laser-B/W, Colour Print,
Inkjet Print Upto A3 Size, Colour Xerox,
For Bulk Printout Special Pricing**

Email & Gtalk ID : goyalinfotech@gmail.com

Mail or Ping us for any Enquiry or Order.

WE BUY OLD DESKTOP & OLD LAPTOP ANY CONDITION.

जनरल चैंपियनशिप 2010-11

GC Sports

विजेता : MS हॉल

नाटकीय उतार चढ़ाव के बीच MS हॉल ने अंतिम इवेंट जीत कर पटेल हॉल (42 अंक) के तीन वर्षों के वर्चर्स को खत्म किया। इसके पहले पटेल, नेहरू और MS हॉल के लगभग बराबर अंक थे और GC किसी की भी झोली में जा सकती थी।

प्रतियोगिता के शुरू में पटेल ने टीटी में र्वर्ण ला कर अपना खाता खोला। MS ने एथलेटिक्स (20 अंक), क्रिकेट एवं बैडमिंटन में र्वर्ण ला कर बल्ट बना ली। LLR ने वॉलीबॉल में र्वर्ण तथा बैडमिंटन एवं टेनिस में मेडल जीत कर प्रतियोगिता में आगे की कोशिश की। इस बार Inter IIT को ध्यान में रखते हुये कोट के देखभाल के लिए सभी इवेंट को

मिडसेम के पहले कराने के कारण खिलाड़ियों को विभिन्न इवेंट में भाग लेने में कठिनाई हुई। जहाँ पटेल एवं नेहरू हॉल के बीच हुए लाँच टेनिस मैच में दर्शकों द्वारा अमद्र भाषा के प्रयोग के कारण दोनों टीमों के 5-5 अंक काट लिये गये वही RP एवं RK के बीच हुये बास्केटबॉल मैच में 2-2 अंक काटे गये। पर पुनः अंकों को जोड़ दिया गया।

विजेता : नेहरू हॉल

सोशल अंतर कल्चरल जी.सी. इस वर्ष भी नेहरू हॉल ने जीती। उनमें से हुए कुछ विवादों पर हम प्रकाश डाल रहे हैं। शुरू करें लिटररी कप से तो वाट्स द ग्रुड वर्ड में पटेल हॉल पर 80 सोकेन का पेनाल्टी लगा अंत भी आजाद 0.99 सोकेन से जीत गया। इसके अलावा हिन्दी इलोक्युशन में नियमों के प्रतिकूल कुछ प्रतियोगियों के हाथ पौड़ियम के बाहर आते देखे गए पर शिकायत दर्ज करने के बाद भी जज शांत रहे।

अब बात करते हैं ड्रामैटिक्स कप की जो सच में ड्रामा से भरा रहा। डम्ब शोराइट्स प्रतियोगिता में एस एन र्वर्ण, एम एस रजत अंतर नेहरू ने कांस्य जीत कर अपनी काबीलियत का लोहा मनवाया। बंगाली ड्रामा प्रतियोगिता शुरू होने से 6 घंटे पहले तक जज निश्चित नहीं थे। हिन्दी नाट्य प्रतियोगिता में नेहरू हॉल के जबरदस्त अभिनय के बाद एस. एन. हॉल ने

इस वर्ष में नेहरू ने शुरूआती प्रतियोगिताओं में ही इतनी भारी बढ़त बनाती थी कि फिर दूसरे हॉल उसे पछाड़ नहीं पाए। नेहरू ने ए डिजाइन, टेक विज़न में र्वर्ण और प्रोडक्ट डिसाईन, केम इनोरेशन में र्वर्ण जीता था। अंतिम इवेंट हार्डवेयर मॉडलिंग में र्वर्ण जीतकर आजाद अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। साथ ही पटेल प्रथम इवेंट प्रोडक्ट डिसाईन में र्वर्ण के साहारे तृतीय स्थान पर रहा। गत वर्ष का संयुक्त विजेता LLR हॉल इस साल अपना प्रदर्शन बरकरार नहीं पाया लेकिन केस र्टडी में र्वर्ण और हार्डवेयर मॉडलिंग में र्वर्ण पदक जीता। पिछले सेमेस्टर में ए डिसाईन में आजाद और नेहरू का संयुक्त र्वर्ण घोषित होने के बाद आजाद को पेपर एट के सब्मिशन में देरी के कारण पदक रद्द हाने की कगार पर आ गया था जिसे बाद में बरकरार रखा गया।

GC Tech

विजेता : नेहरू हॉल

प्रतियोगिता के शुरू में पटेल ने टीटी में र्वर्ण ला कर अपना खाता खोला। MS ने एथलेटिक्स (20 अंक), क्रिकेट एवं बैडमिंटन में र्वर्ण ला कर बल्ट बना ली। LLR ने वॉलीबॉल में र्वर्ण तथा बैडमिंटन एवं टेनिस में मेडल जीत कर प्रतियोगिता में आगे की कोशिश की। इस बार Inter IIT को ध्यान में रखते हुये कोट के देखभाल के लिए सभी इवेंट को

मिडसेम के पहले कराने के कारण खिलाड़ियों को विभिन्न इवेंट में भाग लेने में कठिनाई हुई। जहाँ पटेल एवं नेहरू हॉल के बीच हुए लाँच टेनिस मैच में दर्शकों द्वारा अमद्र भाषा के प्रयोग के कारण दोनों टीमों के 5-5 अंक काट लिये गये वही RP एवं RK के बीच हुये बास्केटबॉल मैच में 2-2 अंक काटे गये। पर पुनः अंकों को जोड़ दिया गया।

GC Soc-Cult

र्टेज पर मिट्टी होने की शिकायत की जिसके बाद नेहरू के 15 प्रतिशत अंक काट लिए गए। कोरियो में जज की अंकतालिका ना दिखाने पर कई लोगों ने आपत्ति जताई, अंत में आजाद और नेहरू का संयुक्त र्वर्ण घोषित होने के बाद आजाद को पेपर एट के सब्मिशन में देरी के कारण पदक रद्द हाने की कगार पर आ गया था जिसे बाद में बरकरार रखा गया।

नियम को लेकर आजाद के परिणाम पर प्रश्न खड़े किए। असल में इस प्रतियोगिता में सार्थक शब्दों के उपयोग की अनुमति नहीं थी और आजाद ने सा रे गा मा जैसे शब्दों का प्रयोग किया था। पर जिमखाना प्रेसिडेंट को ये शब्द निरर्थक लगाने के कारण अंतिम परिणाम अपरिवर्तित रहे। इंटरटेन्मेंट कप के प्रतियोगिताओं में जज मिलने में काफी परेशानी हुई। अंत में परिणाम कुछ इस प्रकार रहे: इंटरटेन्मेंट कप का विजेता आर.के. रहा वर्टी लिटररी कप व ड्रामाटिक्स कप पर नेहरू हॉल तथा फाइन आर्ट्स कप पर पटेल हॉल ने कब्जा किया।

Estumart



"Estu Mart" आई.आई.टी. खड़गपुर के छात्रों का स्टार्टअप है जिसकी प्रारंभिकता का अध्ययन करते हुए ये लेख प्रस्तुत है। इस स्टार्टअप की जड़े सबसे पहले कैम्पस में इस बात को ध्यान में रखते हुए रोपित हुई है कि छात्रों में जिस स्तर और मात्रा में तरह तरह की वस्तुओं की मांग है उसकी पूर्ति के लिए हम एक मंच प्रदान करें। "Estu Mart" विद्यार्थियों को एक online market उपलब्ध कराती है, जहाँ से वे लिस्टेड वस्तुओं में से अपनी मनपसंद वस्तु ऑर्डर कर सकते हैं। इसके बेब लिंक

www.estumart.com का प्रयोग कर छात्र अपनी मनपसंद चीज़ें मंगा सकते हैं, वो भी डिस्काउंट एवं मुफ्त रूम डिलिवरी के साथ। Estumart को कियान्वित करने से पहले टीम ने एक सर्वेक्षण किया जिसके परिणाम र्वर्लैप 400 प्रतिक्रियायें मिली एवं 85% लोगों का पक्ष सकारात्मक रहा। खड़गपुर में कोई फीडबैक सिर्फ़ नहीं होने के कारण दुकानदारों को मनमान करने की छूट रहती है किंतु Estumart के साथ सभी वस्तुएं सही दाम पर मिलेंगी। "Estu Mart" का मोटो है "Service to the academia, Service back to the nation."

SRI BALAJI COMPUTERS

Puri Gate, near IIT Main Gate, Kharagpur

Ph: 09732961398/09733536376

All laptop spares available - LCD screens, Hinges, Battery, Keyboard, Motherboard, etc.

Laptop coolin pad, Mini-laptop pouch, External ard disk available at reasonable price.

Laptop motherboard repairing at chip level at minimum price. No display, Power not shown problems are solved

Special scheme for IITians: Only Rs. 300 for basic laptop service.

Dreamland AC Restaurant and Travels

Looking for some delicious food? The wait is over. Party booking for upto 80-100 people. Amul Icecream Parlour. Room delivery service available at request. Taxi booking available at reasonable rate.



Room delivery
Call 03222-201549

Call 9434369113/7602864161
for booking Taxi

जनरल सेक्रेटरी, स्पोर्ट्स एवं गोमति

1. प्रद्यक्ष पाठक

हॉल - MS हॉल

विभाग - इंडस्ट्रीयल इंजीनीयरिंग एवं मैनेजमेंट

प्रस्ताव :



1. इंटर ||| स्पोर्ट्स कमिटी का गठनः इस कमिटी के गठन से इंटर ||| की तैयारी कर रखी विभिन्न टीमों एवं खिलाड़ियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जा सकेगा। इस कमिटी की मीटिंग में सारे खेलों के लिए आवश्यक संसाधन एवं टीमों के प्रदर्शन की चिपोर्ट बनाई जाएगी जो कि जिमखाना प्रशासन को सौंपा जाएगा जिससे कि समर्थयाओं का निवारण किया जा सके। मीटिंग दो हफ्ते में एक बार रखे जाने का प्रस्ताव है।

2. पोर्ट ग्रेजुएट स्पोर्ट्स कमिटी का गठनः जागरूकता के अभाव में खेलों में PG छात्रों की सहभागिता कम हो रही है। इस कमिटी का प्रयास होगा कि खेलों में भाग लेने को इच्छुक लोकिन कोचिंग एवं मार्गदर्शन का अभाव झेल रहे PG छात्रों की पहचान कर उन्हें कोचिंग प्रदान की जाएगी। PG छात्रों की सहभागिता से इंटर ||| में भी हमारा प्रदर्शन सुधारने की उम्मीद है।

2. अभिषेक नेगी

हॉल - RP हॉल

विभाग - इलेक्ट्रीकल इंजीनीयरिंग

प्रस्ताव :



1. इंटर ||| एकशन प्लानः इंटर ||| में हमारा प्रदर्शन सुधारने के लिए तीन चरणीय एकशन प्लान जिससे कि सारे संभावितों को भरपूर अभ्यास मिले। इसके अलावा शौर्य के दौरान हर खेल में ||| खड़गपुर की दो टीमें उतारी जाएँ जिससे कि हमारी बैच ट्रैनिंग बढ़े और अधिकाधिक खिलाड़ियों को मौका मिले।

2. खेलों को समर्पित वेबसाईटः खेलों के लिए वेबसाईट बनाना जो कि जिमखाना की वेबसाईट से संबद्ध होगी। इसका उद्देश्य जिमखाना संबंधी गतिविधियों एवं उपलब्ध सुविधाओं के बारे में छात्रों को जागरूक रखना होगा। वेबसाईट के पाँच खंड होंगे: ऑनलाईन फार्म, खेल समाचार पत्र, ईवेंट्स, GC एवं NSO जिनमें संबंधित क्षेत्रों की विस्तृत जानकारी होगी।

जनरल सेक्रेटरी, टेक्नोलॉजी

2. सायंतन सरकार

हॉल - Azad हॉल

डिपार्टमेंट - इंडस्ट्रीयल इंजीनीयरींग एवं मैनेजमेंट

प्रस्ताव : Technology Students' Gymkhana के संरक्षण में एक कैस चर्टी सोसाइटी का गठन किया जाएगा। क्षितिज का प्रतिनिधित्व करने के लिए आई.आई.टी खड़गपुर के हर डिपार्टमेंट से छात्र चयनित किए जाएँगे जो कि फेस्ट में संयोजक तथा सलाहकार की भूमिका निभायेंगे। इसके अलावा प्रथम वर्षीय छात्रों में से Associate Members चुने जाएँगे और स्नाकोक्टर छात्र सलाहकार के तौर पर कार्यरत होंगे। एक Information Forum का आरंभ किया जाएगा जो कि विज्ञान और तकनीकी संबंधी विश्व रत्तर पर होने वाली तथा छात्रों से जुड़े सम्मेलन तथा कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान करेगा। टेक्नोलॉजी जनरल चैपियनशिप की चयनित प्रतियोगिताओं के लिए ओपन आई.आई.टी शुरू करने का प्रस्ताव।



1. शाशि प्रकाश

हॉल - LLR हॉल

डिपार्टमेंट - इलेक्ट्रिकल इंजीनीयरींग (इंस्ट्रुमेंटेशन)

प्रस्ताव :



- दिसंबर माह में विभिन्न आई.आई.टी के बीच टेक्नोलॉजी मीट 2011 का संचालन जिसमें विज्ञान एवं तकनीक से जुड़ी विभिन्न प्रतियोगिताएँ सम्भिति होंगी।
- स्नातकोक्टर छात्रों को क्षितिज के आयोजन में भाग लेने को प्रोत्साहित करने के लिए क्षितिज की तकनीकी टीम में स्नातकोक्टर सलाहकारों का चयन किया जाएगा।
- तकनीकी Product Design GC के लिए थीम आधारित प्रश्न विवरण का प्रस्ताव।

जनरल सेक्रेटरी सोशाल एवं कल्चरल

शाशांक सिंघिल

डिपार्टमेंट : इलेक्ट्रानिक्स एंड इलेक्ट्रिकल कम्प्यूनिकेशन

हॉल : RP हॉल



नाम : श्रेयस महाजन

हॉल : आजाद हॉल

डिपार्टमेंट - आर्किटेक्चर एंड रीजनल प्लानिंग



प्रस्ताव :

- टैक्नोलॉजी फोटोग्राफी सोसाइटी का निर्माण।
 - उभरते फोटोग्राफर्सी सीन्यूर प्रोफेसर के मार्गदर्शन से तथा वर्कशाप एवं फोटोट्रिप के द्वारा इस क्षेत्र में पराख पा सके। अलमनाई मीट जैसे अवसर पर प्रदर्शनी लगाकर उभरते फोटोग्राफर्सी के प्रयास को सराहा जाए। यह मंच आई.आई.टी खड़गपुर के विद्यार्थीयों को अपने अन्दर छुड़े फोटोग्राफी संबंधी प्रतिभा से पहचान कराएगा। यह कल्ब विद्यार्थीयों की फोटोग्राफी प्रतिभा को विकसित करेगा एवं गुणवत्ता भी बढ़ाएगा।
- लिप्रिंग फेस्ट के दौरान भोजन उत्सव का आयोजन करवाना जिससे की भारत की खाद्य विविधता की व्याख्या की जा सके।
 - भारत के विभिन्न राज्यों को अपनी खाद्य संरक्षित का प्रकाशन करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। भिन्न पाक शौली का ज्ञान रखने वाले लोगों को भी अपनी कला का प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा। यह भारत के विभिन्न भागों की संरक्षित को एक मंच पर प्रदर्शित करेगा।
- आई.आई.टी खड़गपुर के विद्यार्थीयों के द्वारा किए गए सामाजिक काम को सराहने के लिए एक जिमखाना अवार्ड आरम्भ किया जाए।
- एक भाषा कल्ब का निर्माण
 - काम के द्वारा किए गए सामाजिक काम को सराहने के लिए एक जिमखाना अवार्ड आरम्भ किया जाए।
 - एक भाषा कल्ब विद्यार्थीयों को अवसर पर प्रदर्शन करेगी जिससे की उनका भाषा से जुड़ी सोसाइटी जैसे कि BTDS एवं TTDS से जुड़ाव बढ़े।

ALICE OPTICIANS

Computerized Eye testing
and Contact Lens Clinic

All types of Contact Lenses
available

Timing - 9 am to 9pm
Thursday closed

181, Gole Bazar,
Kharagpur - 721301

Kamal
Sports

Deals in
*Sports *Fitness
*Health

16-A, Gole Bazar, Kharagpur
Contact:- 9933521191, 7797326993



डोलीन चंपा माझी, SN
 केजीपी में गुजारे सारे पल मेरे लिए अविस्मरणीय हैं। मेरे प्रथम वर्ष का ईन्टर रंगोली मेरा सबसे अधिक यादगार लम्हा है। यहाँ से जाने के बाद मैं अपने दोस्तों, अपनी बिंग और BTDS के जूनियर्स को बहुत याद करूँगी। इनके अलावा लग्भे Tech sub coms, मसाला कोला और 2.2 को बहुत मिस करूँगी। केजीपी की कुछ



खण्डिल कुमार शानु, NH

मैं सबसे ज्यादा यहाँ के कैफ्पस जीवन को मिस करने वाला हूँ। पुरी गेट से अन्दर आते ही जीवन पूरी तरह से बदल जाता है। कैफ्पस की सीमाएँ एक जर्मन दीवार की तरह हैं जिसके अंदर कोर टीम मीटिंग, GC, Subcoms, Poltu, Dramatics आदि हैं। जैसे ही हम बाहर जाते हैं दुनिया बिंकूल अलग है। सबसे यादगार समय मेरे 3rd वर्ष में नेहरू हॉल का Soc&Cult GC जीतना रहा। पहले सेमेस्टर तक सिर्फ 25 अंक और फिर GC का जीतना सचमुच अविस्मरणीय था। सबसे दुखद बात ये रही कि Diro से ट्रॉफी मिलने वाली मेरी



मृत्युंजय बंसला, Patel

यो पटेल!!!!...पता नहीं कैसी होगी जिंदगी केजीपी से बाहर, मेरे दोस्तों से दूर...मैं यह 4 साल और इनमें मारे वो नाईट-आउट्स, वो दार्ल ट्रीट्स, वो यादें कभी नहीं भूला सकता और ये हमेशा मेरा साथ रहेंगी। Second year से ही पटेल के टेम्पो मे इनना खो गया कि पता ही नहीं चला टाईम का....और लास्ट सेम में तो जैसे ABCD ही गङ्गड़ा गयी। बस

G पे आके सब थम गया...मैं कैसे आगे जीज़ँगा मुझे नहीं पता पर। I am sure वो ऐसा हसीन जीवन नहीं होगा...यो साहिर, मयुर, Cells, अनुराग, DFW और Sid...I love you all...यो पटेल, यो केजीपी...



सिद्धार्थ दोष्टी, Patel

आईआईटी खड़गपुर खुद में एक शहर है, सेकेन्ड ईयर में H.J.B. मिलने पर थोड़ी नायूसी हुई, उस समय यह मटकों का हॉल हुआ करता था। फिर हॉल के लिए टेम्पो से काम करना तथा हॉल को जीसी के सारे क्रियाकलापों में भाग करवाने के लिए किए गए प्रयासों में कई यादगार लम्हे भी आए। हॉल काउंसिल में मटकों की वर्चस्वता को खत्म करके बीटेक हॉल बनाना उनमें से प्रमुख रहा। जब हमलोग प्रथम वर्ष में थे तो आरत 2007 में वर्क कप के वर्चाटर फाइनल में भी नहीं पहुँच पाई थी और जब अब यहाँ से जा रहा हूँ तो



नर अली वीरानी, RK
 कैम्पस मे बिताए पाँच सील मेरे लिए बहुत देर तक नाचता रहा, काफी उत्साहपूर्ण रहे और यहाँ सब के सब लोग समझे कि मैं साथ मिल के काम करने मे बहुत मजा आया। रोबोटिक्स में किए काम और योगदान मुझे गौरवान्वित महसूस करते हैं। सेकेन्ड ईयर की बात है, मैंने अपने फर्स्ट ईयर के सेवान वाले दोस्तों के साथ सभी को हाल डे पर बुला लिया। सब लोग कुछ देर बाद आके बोले कि व बोर हो रहे हैं सो उनका मनोरंजन करने के लिए अकेले रेज पर चढ़ गया और डांस करने लगा और



"When in IIT, you are known because of IIT, but when you leave IIT make sure IIT is known because of you"

सुकेशा नायक, Patel

आईआईटी में आने से पहले मे गालिथ शुरू हुआ। इन्टर्न पर जाने के दौरान दो दिन भूखा प्यासा रहना और हॉल के g.sec के लिए खड़े होने के दौरान हॉल प्रेसिडेंट से झप्प होना दो सबसे यादगार लम्हे रहे। मैं आकर डिपार्टमेंट में व्यस्त हुआ और



गौरव माहेश्वरी, Hjb

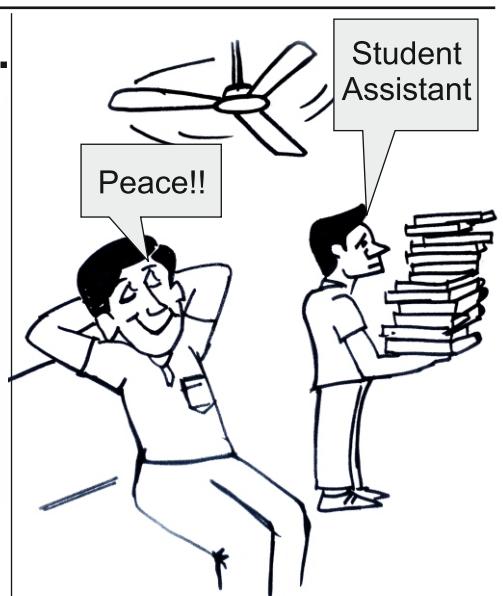
आईआईटी खड़गपुर खुद में एक शहर है, सेकेन्ड ईयर में H.J.B. मिलने पर थोड़ी नायूसी हुई, उस समय यह मटकों का हॉल हुआ करता था। फिर हॉल के लिए टेम्पो से काम करना तथा हॉल को जीसी के सारे क्रियाकलापों में भाग करवाने के लिए किए गए प्रयासों में कई यादगार लम्हे भी आए। हॉल काउंसिल में मटकों की वर्चस्वता को खत्म करके बीटेक हॉल बनाना उनमें से प्रमुख रहा। जब हमलोग प्रथम वर्ष में थे तो आरत 2007 में वर्क कप के वर्चाटर फाइनल में भी नहीं पहुँच पाई थी और जब अब यहाँ से जा रहा हूँ तो

भारत फाइनल जीत चुकी है। छिटीय एवं तृतीय वर्ष में यूएसए में तथा चौथे वर्ष में जर्मनी में इन्टर्न से काफी एक्सपोजर भी मिला। बदले हुये केजीपी को देखने का इच्छा थी और कुछ समय से केजीपी के इफाल्ट्रॉक्चर में इन्टर्न से बदलाव हो रहे हैं कि उम्मीद है कि भविष्य में कार्फ बदलाव देखने को मिलेगा। भारती कई चाय और शान्तनु दा और "दादा" के दुकान को मिस करूँगा और विशेषकर डीसी को। इस बात कि ज्यादा खुशी नहीं हो रही है कि यहाँ से जाने के बावजूद जिन्दगी बिंकूल बदल जायेगी।

परीक्षा थी और F-127 भरा हुआ था। तो मैं मगरने के लिए CS dept चला गया। तो पर एक class room रात भर खुला होता था। नाईट आउट मार के मगरने का विचार था और सवेरे 9 बजे परीक्षा थी। सवेरे 4 बजे जब मैं CS dept से निकलने लगा तो मालूम पड़ा की कोई सारे दरवाजे लॉक करके चला गया है और बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं है। परेशान होकर मैं 1st floor की बालकनी में गया और निचे कुदने का रास्ता खोजने लगा पर असफल रहा। बड़ी मुश्किल से एक दोस्त ने फोन टीरीव किया। वो अपने हॉल से आया और फिर चौकीदार को बुलाकर गेट खुलवाया और सब ठीक हो गया। वरना उस दिन तो फक्का पक्का था।

काटून कोना

200 करोड़ से लोगों की उम्मीदें....



असावरी मून, SN



सोचने पर अजीब सा लगता है। अगले साल से यहाँ नहीं आएँगे, ऐसी जिन्दगी नहीं होगी, इतनी पीस, अपने मर्जी के मालिक, जहाँ इतनी सारी चीज़ों से खुद को जुड़ा पाते हैं - हॉल, सोसाइटीज़, डिपार्टमेंट। यहाँ 4 साल में हमने बचपन से लेकर बुढ़ापा जिया है। यहाँ फर्स्ट इयर में सीनियर्स हमारा ध्यान रखते थे वही ज़िम्मेदारी आज हम निभा रहे हैं। हैरी पॉटर के हॉगवर्ट्स जैसा लगता था ये मुझे फर्स्ट इयर में। डर लगता है यहाँ से जाने के बाद अकेले न हो जाएँ। यहाँ तो कभी भी किसी के भी कमरे में चले जाओ। एक नहीं तो दूसरे को अपनी बातें सुनाओ। लैब में सर्कंल

बनाकर भाट मारना, रैनीक्स के लिए 4:30 बजे जाना और 6 बजे दुनिया भर की बातें करके वापस आना, 'अपने' जैसी मूर्छी को नेताजी में बैठकर एंजॉय करना, फ्रैम्स के टाइम दिन रात कामन रूम में गुज़ारना, ईलू के बक्स अपनी लैबर जैसी दशा बनाकर धूमना। जब लोग मई बुलाते हैं तो बुरा नहीं लगता बल्कि अच्छा लगता है। लगता है कि कम से कम लोग मानते हैं। मेरे जाने के बाद चार लोग याद करेंगे। इन चार सालों में इतने लोगों से जुड़ी हूँ जिनके साथ बिताए पल यादगार हैं। बस ये कहाँगी कि अच्छी बुरी जैसी भी है, बहुत अनमोल और प्यारी यादें ले जा रही हूँ यहाँ से।

सरदवती चंद्रा, SN



रात के दो बजे जब पेट में चूहे दौड़ते हैं, बगल वाले कमरे का दरवाज़ा खटखटाते हैं तो उनकी दशा भी कुछ ऐसी ही होती है। हर 500 मीटर पर खाने की जगह, इन्हें सबसे ज्यादा मिस करेंगे। रात को दो बजे कहीं और दरवाज़ा खटखटाने पर आड़े पड़ेंगे। और कोई मिल भी जाए साथ देने के लिए तो न JCB होगा न Cheddies। फर्स्ट इयर में पहली कोलकाता ट्रिप हमेशा याद रहेगी। 10 लाइकियाँ सब पहली बार घर से बाहर निकली थीं, 3 घंटे का सफर करके कोलकाता जाना काफी बड़ी बात थी।

पहले तो गलत ट्रेन पकड़ी, फिर खड़गपुर स्टेशन वापस आए और फिर कोलकाता पहुँचे। द्वितीय वर्ष में क्षितिज में मेरा पेन ड्राइव एक गेर्स ने लिया था। TOAT में कार्यक्रम समाप्त होने के बाद स्टेज के पीछे पेन ड्राइव लेने गए तो CTM ने मुझे गेर्स समझ लिया। फिर तो उसकी तलाश में पूरी फौज लग दी। हम भी टेशन सा चेहरा बनाए रख से पूछते थे। पकड़े तब गए जब एक हेड ने पूछ लिया कि हम कहाँ ठहरे हैं और मैंने बताया SN हॉल। उसके बाद तो न किसी ने शाकला देखी न पेन ड्राइव।

अभिजीत सुरेका, R.K.

खड़गपुर में आने के बाद जिस तरह से मैंने जिंदगी जी है, मैं उसे कभी भूला नहीं पाऊँगा। जब भी मन हुआ दोस्तों के साथ मर्जी करना और खुशी के पल में जश्न मनाना, ये सब यहाँ की यादें हैं जिसने मुझे हमेशा जिंदगिल रखा। 2009 में ILLU नहीं हुआ था और 2010 में फिर से शुरू होने पर गोल्ड जीतने वाला क्षण मेरे लिए सबसे सुनहरे पलों में से एक है। के.जी.पी. जनता से यही कहना चाहूँगा "यहाँ पर बिताने वाले साल तुम्हारे हैं, किसी और को मत दो।"

अमित शेखर, राजीव व योगेश, R.K.

यहाँ आने पर तो हमने रेलवे स्टेशन से पुरी जा रही रेलगाड़ी की आने की सूचना सुनी बस हमारी मण्डली पुरी कूच कर गयी और वहाँ से बस यात्रा का आनंद लेते हुए केजीपी पहुँचे। हमने जब F.T. मारी तब बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी, तब अच्छा लगा। जब केजीपी से जा रहे हैं तब सबसे ज्यादा अपने दोस्त और यहाँ बिताये पल याद आएँगे। सबको यहीं संदेश देंगे "टेशन मत लो, 'पीस' मारो और मन से काम भी करो।"

अपूर्व तिवारी, R.K.

मैं यहाँ का रहन-सहन बहुत मिस करूँगा, 'पीस' मारने का पूरा मौका रहता है और काफी मजे में आसानी से पांच साल गुज़र गये। मेरे लिए सबसे ज्यादा खुशी का पल रहा जब मेरी intern लगी, मैं रात के 3 बजे तक 'TNP' में रुका हुआ था और आखिर में मुझे पता चला कि ITC में मेरी Intern लग गयी है। मेरे लिए सबसे



मनोज कुमार मंडेलिया, LLR

खड़गपुर के जीवन मेरे लिए दिए। मेरा मानना है कि खड़गपुर के काफी अनूठा रहा। यहाँ इतने मजे किए हैं जितना मैंने कभी नहीं सोचा था। विशिष्ट बात है कि अभी अंतिम वर्ष तक हमारा दोस्तों का एक कर्तीब समूह है (जिसे हम आपस में "गे स्पार्क" कहते हैं)। इतनी सारी यादें हैं कि उनको एकत्रित करके पूरा संरक्षण लिखा जा सकता है। पर एक प्रसंग हमेशा याद आता है जब हम कुछ लोग विदेश में फंस गए थे। हमारी उड़ानें ज्वालामुखी विस्फोट के कारण रद्द हो गई थी और वापस लौटने के लिए बहुत रुपयों की जरूरत थी। उस समय खड़गपुर में रात का समय था पर कुछ ही घंटों में दोस्तों में मधुर यादें अंकित रहेंगी।

ने लाखों रुपए मेरे अकाउंट में डाल



आशीष पाठक, Patel

बहुत मुश्किल होता है अपनी यादों को शब्दों में डालना। केजीपी में मेरा अनुभव काफी मिला-जुला सा रहा है। इन पांच वर्षों में कई चीजें ऐसी हुईं जो अच्छी लगी और कई ऐसी जो होनी नहीं चाहिए थी, पर हमें एक सबक दे गई। पहले वर्ष में हमें MMM मेर रखा गया। प्रथम वर्ष के अन्त में हॉल निर्धारित हुआ तो चेहरा सफेद पड़ गया - पटेल। बहुत भयावह प्रतिष्ठा थी इस हॉल की उस समय जो आज भी है। फिर टी-पार्टी हुई जिसका प्रभाव ये हुआ कि गर्मी की छुट्टियाँ स्लिर्फ ये सोचते-सोचते बीती "क्या होने वाला है वापस आकर?"। खैर वापस आने के बाद अनुभव उतना खराब नहीं था। केजीपी मेरे एक चीज जो सीखी है-खाली ना बैठो। किसी ना किसी तरह से खुद को व्यस्त रखो। पूर्ण शहरी-जीवन का



दिपांजन डे, Azad

केजीपी की सुनहरी यादें: केजीपी अपने आप में काफी सक्रिय रहना है। सबसे आकर्षक तो है कि किस तरह हम हर काम को टालते-टालते आखिरी तारीख तक पूँच जाते हैं फिर भी सही समय पर खत्म कर हो ही जाता है। मैं निश्चित ही इस अद्वितीय कार्य संस्कृति को हमेशा याद रखूँगा। इतना जीवंत परिसर, यहाँ की हारियाली, कैंटीन पे चारों और यहाँ का "पीस" और "लोड" कहीं और मिल ही नहीं सकता।

सबसे यादगार पल: पिछले साल कैसे स्टडी जीतना या दिवितिय वर्ष में हिन्दी नाट्य में रथ्य में से ही किसी एक को चुनना होगा। इनके अलावा विनिग्रह के साथ मनदारमनी की सौर भी काफी यादगार रही।

सबसे पागलपंथी वाली मर्जी: अभी हाल ही में कुछ किया था टोकिन शायद बताने लायक नहीं है। उसके अलावा दिवितिय सेमेस्टर में 6/7 लोकचर में उपस्थित रहना किसी पागलपंथी से कम नहीं था।



विलास चौहान, Azad

केजीपी में बिताए कौन से पल आप सबसे ज्यादा याद करेंगे: पिछले साल कैसे स्टडी जीतना। उस क्षण को कोई मात नहीं दे सकता, न प्लॉसमेंट न ही इंटर्नशिप का अनुभव। पांच साल बाद GC मिलने की खुशी में पूरे आजाद में एक लहर दौड़ गई थी।

सबसे अधिक पागलपंथी वाला काम: आइफिल टॉवर के नीचे एक फैंच बाला को "Kiss" के लिए पूछना या शायद इस वर्ष की होली पर चरि दा की मादक भांग पीकर दिन भर मर्जी मारना।

मोहम्मद अरशाद, Azad



जिन्दगी के सबसे हसीन और यादगार लम्हों को यहीं आकर जिया है। पिछले चार वर्षों ने मुझे काफी चीज़े सिखाई और एक व्यावहारिक, आत्मविश्वास युक्त पीसमारू प्राणी में परिवर्तित किया है। केजीपी मुझमें कुछ इस कदर ज्ञान गया है कि मेरे घर वाले मुझसे यो, पीस, मचाउ, और गड़ली प्रयोग करके बात करते हैं।

प्रथम वर्ष में मगना, टी.वी. सीरीज तथा पट्टे खेलने का आनंद ही निराला था। फिर हुआ हाँल टेम्पो का दौर आया। कभी सोचा न था कि मैं भी कभी अभिनय कर सकता हूँ। औपन आई.आई.टी. में ड्राम्स गोल्ड की यादें आज भी ताजा हैं। मेरे चित्रकला के शैक को रंगोली, इलू आदि के रूप में एक नयी पहचान मिली।

अपनी हाँकी टीम के साथ कुछ विशेष भावनाएँ जुड़ी हुई हैं। नहीं भूल सकता वो “नौटंकी” जो हम हर मैच के



शुभम माटा, Azad

हाल ही में मुझसे पूछा गया कि “Non-Core” क्षेत्रों में नौकरी करना क्या आई.आई.टी. में अर्जित इंजीनियरिंग ज्ञान की बर्बादी नहीं होगी? मेरा सीधा जवाब था कि केजीपी में ज्ञान “Core” क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। यह जीवन के सभी पहलुओं, व्यक्तिगत तथा पेशेवर, में लागू होता है। मैंने यहाँ बहुत कुछ सीखा है, काफी अच्छे मित्र बनाए और कई यादगार लम्हे रखें हैं। मुझे यकीन है कि यहाँ से जो भी अनुभव है वो जीवन भर मुझे अपने स्वप्नाकाश में उड़ने में मदद करेंगे।

संजय उपाध्याय, Patel



केजीपी से निकलने के बाद मैं अपने घर (पटेल हाँल), इस घर के सदस्य (मेरे बिगीस) और हर मुश्किल में साथ देने वाले अपने दोस्तों को सबसे ज्यादा मिस करूँगा। अपने दोस्तों के साथ की गई वो हर एक शारात और मर्स्टी, तौपी पर घंटों समय गुजारना, आए दिन पार्टी करना ये सभी ऐसी यादें हैं जिन्हें मैं शायद ही कभी भूल पाऊँगा।

चार साल के कॉलेज जीवन में जिंदगी के हर चंग को देखने और जीने से जो अनुभव प्राप्त हुआ है, उसे शायद



अनुभव प्रताप सिंह, R.K.

कैम्पस में बिताए पल वार्कइ मर्जिदार रहे पर यहाँ के दिन गंदे हैं और नाइट लाइफ ज्यादा मचाऊ है। इससे ज्यादा अच्छी नाइट लाइफ और किसी कॉलेज की नहीं होगी। दोस्तों के साथ 2.2 मारने का मजा कहाँ होगा? जब मेरी जाँब लगी वो मेरे लिए सबसे नाटकीय व खुशी वाला पल था उस दिन मुझे 2 इंटरव्यू देने थे, एक के लिए मैंने थोड़ी तैयारी कर ली दूसरे का मुझे ध्यान ही



कैम्पस को अलविदा करने पर मैं सबसे ज्यादा अपने दोस्तों को याद करूँगा पर अब थोड़ा आराम भी महसूस हो रहा है। यहाँ बिताए पलों से मेरी कई यादें जुड़ी हुई हैं। जब हमने बार्टी कोर्ट पर इस साल SF में लाइव परफॉर्मेंस दिया तो जिस तरह लोगों का उत्साह रहा, वो बहुत यादगार पल रहा। सेकेण्ड इयर में इन्टर हाँल बैंग फ्रैंस में किया परफॉर्मेंस भी मुझे अक्सर गुरुगुदाता है। दोस्तों में आज सबको एक संदेश देना चाहूँगा - “Work hard, Party even harder”

यादें



अपूर्व, H.J.B.

प्रथम वर्ष में MMM में खूब मजे किये। सेकेन्ड इयर में मचाते-मचाते समय बीता और थर्ड इयर में बार-फैप में सिंगापुर में इन्टर्न। छठे सेम में इलेक्ट्रॉनिक्स डिर्टमेंट की फ्रें सारे लैबों के बीच का समय टिक्का में बिताना। चीनीयर से फन्डे लेना और जूनियर को फन्डे पास करना। केजीपी लाइफ से बहुत कुछ सीखने को मिला। केजीपी लाइफ जो अहम चीज़ सिखाती है वो है काम(लोड) और मर्स्टी(पीस) के बीच कैसे संतुलन बनाया जाए। यहाँ आकर कई अच्छे दोस्त बने जो हमेशा याद रहेंगे। केजीपी से जाने के बाद



गायत्री कंजन, SN

केजीपी में गुजारे ये चार साल में कभी नहीं भूल पाऊँगी। मेरे फर्स्ट इयर में हाँल में हुआ फेयरवेल मेरा सबसे ज्यादा यादगार लम्हा है। आज भी मैं वो पल नहीं भूल पाती जब पास आउट हो रहे सीनियर्स अपने आँसुओं को रोकने का प्रयास कर रहे थे कि निन्तु वो थमते भी तो वो दिन कभी भूल नहीं पाती जब आत्माकाश के चलते मैंने पूरा एक सप्ताह केटला मैं पकी मैरी खाकर बिताया था।



नमन झावर, Patel

किस चीज़ को सबसे ज्यादा मिस करूँगा यहाँ से निकलने के बाद बहुत मुश्किल काम है कम शब्दों में बता पाना। इन पाँच सालों में की गई तमाम एक्ट्रीटीटीज़ में से So-Cult, जेनरल चैम्पियनशीप को मैं एक ऐसे प्लेटफॉर्म के रूप में मानता हूँ जो आपके अन्दर के छुपे हुए टैलेंट को बाहर निकालती है। नेताजी, साउंस, लाईट वो मंच जहाँ हमने सुर्दों को पिरोया, रमन अँडीटोरियम, टेम्पोशाउट, साबकांम, लोग, दोस्त... ये वो यादें हैं जिनकी याद यहाँ से निकलने के बाद सबसे ज्यादा आएगी।

विश्वकप का भारत में आना निश्चय ही एक अविर्मरणीय पल था पर सच बताऊँ तो मेरी केजीपी लाइफ का सबसे अविर्मरणीय पल था 2010 में WTMS का production। नेताजी में



प्रदीपिता बनर्जी, LLR

खड़गपुर के पाँच साल का सफर अत्यंत ही आनंदमयी रहा। इतनी सारी यादें संगठित हैं कि पूरी किताब लिख दी जा सकती है। यहाँ आकर मैंने जीवन के कई पहलुओं का अनुभव किया, कई नई चीज़ें सीखी और बहुत दोस्त बनाएँ। नाट्य कला में मुझे शुरू से रुचि थी। खड़गपुर में आने के बाद मैंने ETDS का सदस्य बनकर कई नाट्य रचनाओं में अभिनय किया। अपने प्रथम वर्ष में हम लोगों ने हाँल का पहली बार हाँल के कराया जिसकी अनोखी अनुभूति हुई। अपने अंतिम वर्ष में हमने रंगोली में गोल्ड मेडल जीता जो अविर्मरणीय काफी कुछ है। यह एक ऐसी बात है जो यहाँ से जाने के बाद बहुत खलेगी।

આઈઆઈટી ખડગપુર મેં "Food Monitoring Committee" કા ગઠન

તકરીબન 7500 વિદ્યાર્થીઓ કો આવાસીય વ્યવરસ્થા પ્રદાન કર રહી આઈઆઈટી ખડગપુર સંસ્થા કે કોષ કા એક બડા હિસ્સા કર્દી હાણી મેં ચલ રહે મેસ વ કેંઠીન સે સંગૃહિત હોતા હૈ | પરંતુ કુપ્રબંધન ઔર અનિયમિત નિરીક્ષણ કે કારણ વિદ્યાર્થીઓ કો ગુણવત્તાપરક ભોજન સૌ હાથ ધોના પડતા હૈ |

હમારે સંગવદાતા ને પરિસર મેં કાર્યાન્વિત 'Food Monitoring Committee'(FMC) કે student co-ordinator દિલીપ મીણ સૌ કર્દી મહત્વપૂર્ણ વિષયો પર જાનકારી ઇકરાળ કી જિન્હોને આને વાલો સમય મેં સુધાર કી પુસ્તિ કી હૈ | FMC સ્થાપિત કરને કી માંગ સંસ્થા સે વિદ્યાર્થીઓ કે એક સમૂહ ને જુલાઈ મેં કી થી જિસ પર અમલ કરતે હુએ કમિટી બનાઈ ગયી જિસમે ચેયરમેન પદ પર સંસ્થા કે પ્રોફેસર સાઢુ સાથ મેં સ્ટ્રોન્ટ કોઓડિનેટર ઔર 3 એસોસિએટ સ્ટ્રોન્ટ કોઓડિનેટરોની નિયુક્ટિ કી ગયી હૈ | કમિટી ને સભી મેર્સોની કો ગુણવત્તા પરખને કે લિએ એક રેટિંગ સિસ્ટમ બનાને કા નિર્ણય લિયા હૈ જિસકો નિર્ણય નિર્માણ આધાર પર કિયા જાએगા |

- ફીડબેક ફાર્મ, જો વિદ્યાર્થીઓ સે ભરવાયે જાએંગે |

- 15 મહિની વ મહત્વપૂર્ણ વચ્ચુઓ કા નિરીક્ષણ જૈસે મકાન, જૈમ, દૂધ, ચિકેન, દહી, તેલ, દાલ આદિ |
- મેસ કર્મચારીઓ કા કાર્ય અનુભવ |

કમેટી સાથ હી મેર્સોની મેં વ્યાપ્ત કુપ્રબંધન કા નિરીક્ષણ કરને કે લિએ per student consumption કા હિસાબ કિતાબ દેખેની ઔર ડાંકટર કે સાથ ટીમ બના કર મેસ કા ઔચક નિરીક્ષણ મી કરેની | કમિટી મેર્સોની મેં રવરસ ર્પર્ધા બઢાને કે લિએ 'Mess Championship' આયોજિત કરને કી સૌચ રહી હૈ | ઉન્હોને આગ્રહ કિયા હૈ કે સભી હાણી કે વાર્ડન સાપ્તાહ મેં કમ 2 બાર મેસ કા ભોજન જરૂર કરેં | ભવિષ્ય કી નીતિયો પર પ્રકાશ ડાલતો હુએ 'student co-ordinator' ને યાં મી બતાયા કે મેસ કર્મચારીઓ કો ટ્રેનિંગ દેને કી મી યોજના હૈ |

ખબરો

Schlumberger ને આઈ.આઈ.ટી ખડગપુર કો સ્ાંપ્રદાયિક દાન કિયા

ભૌમિકી દવં ભૂમીતિકી વિભાગ આઈ.આઈ.ટી ખડગપુર કો Schlumberger University Relations Program કે તથત સ્ાંપ્રદાયિક મિલા હૈ જિસમે Petrol ઔર Ocean Development kit મી સમીક્ષિત હૈ | ઇસ સ્ાંપ્રદાયિક કા અનુમાનિત મૂલ્ય 43500 ડાંલાર હૈ | હાલાંકિ યે આઈ.આઈ.ટી ખડગપુર કો બિના કિસ્સી મૂલ્ય કે પ્રદાન કિયા ગયા હૈ |

આઈ.આઈ.ટી દિલ્લી કો માના ગયા ભારત મેં આઈ.ટી સ્નાતક કા સર્વોચ્ચ વિશ્વવિદ્યાલય



GILD રિપોર્ટ કે અનુસાર આઈ.આઈ.ટી દિલ્લી કો સૂચના પ્રીયોગિકી મેં સ્નાતક કે લિએ ભારત કા સર્વોચ્ચ વિશ્વવિદ્યાલય માના ગયા | GILD ટૈર્નેટ રિપોર્ટ કાંલેજ સે સ્નાતક હોને વાલી પ્રતિભા કી ગુણવત્તા કી તુલના કરતી હૈ | યે પછી ઔદ્યોગિક રિપોર્ટ હૈ જો કી વિશ્વવિદ્યાલયો તથા કંપનીઓ કે પેશેવરોની કી પ્રતિભા કા વિશ્લેષણ કરતી હૈ |

આઈ.આઈ.ટી ખડગપુર કે છાત્રોને મહિન્દ્રા સદ્યમ એરોસ્પેસ રંગ ઇંજીનિયર અવાર્ડ જીતા



આઈ.આઈ.ટી ખડગપુર કે છાત્રોની એક ટીમ કો પ્રથમ મહિન્દ્રા સદ્યમ એરોસ્પેસ રંગ ઇંજીનિયર અવાર્ડ 2010 કા વિજેતા ઘોષિત કિયા ગયા | ઇસમે IITs, NITs સમેત લાગભગ 60 પ્રમુખ સંસ્થાનોને ભાગ લિયા થા | ઇસ પુરસ્કાર કે લિએ કુલ 160 પ્રસ્તુતિઓ જમા કી ગઈ થી જિસમે આઈ.આઈ.ટી ખડગપુર કે તન્મય કુમાર મંડલ, જી એસ વિમલ ઔર હિમાંશુ શુક્રાની પ્રસ્તુતિ કે વિજેતા કે તૌર પર ચુના ગયા |

પ્રોફેસર રાજીવ કુમાર કે અધિવક્તા ને કી ઉનકી સુરક્ષા કી માંગ પ્રોફેસર રાજીવ કુમાર કે અધિવક્તા ને સર્વોચ્ચ ન્યાયાલય સે યાં સુનિશ્ચિત કરને કી માંગ કી હૈ કે ઉન્હેં કિસ્સી મી પ્રકાર સે પ્રતાઙ્ગિત ન કિયા જાએ | સાથ હી સાથ ઉનકી સુરક્ષા કી વ્યવરસ્થા મી કી જાએ | યાં માંગ રાજીવ કુમાર દ્વારા લગાએ ગએ આરોપ કે પ્રારથ્ય મેં કી ગઈ જિસમે ઉન્હોને આઈ.આઈ.ટી ખડગપુર કે છાત્રોની બઢતી નકલ કી પ્રવૃત્તિ કી બાત કી થી જિસકે પણ આઈ.આઈ.ટી ખડગપુર કી સીનેટ ને ઉનકે વિલાદ કડી કાર્યવાહી કરને કા ફેસલા લિયા થા |



Aditya Infotech

Computer Sale and Service



(A Laptop repairing & servicing campaign from 10th april to 10th may Under the supervision of Lap Care Solutions Pvt. Ltd. Discounts upto 50%)

- 1) Motherboard repairing and replacement
- 2) No display/ No power issue
- 3) Reballing of graphics card
- 4) Laptop AC adapter and Battery repairing
- 5) Multiscreen issue and Inverter replacement
- 6) Overheating of laptop
- 7) Lanport and WiFi repairing
- 8) Speakers and Webcam repairing

will be done here at affordable price with warranty.

If your Laptop is facing any of the above problems please contact:

Aditya Infotech
9332569829/9734425456
03222-326859
Puri Gate, IIT Kharagpur

HURRY!